

**GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF RAILWAYS**

**LOK SABHA
UNSTARRED QUESTION NO. 1016
TO BE ANSWERED ON 26.07.2023**

SHORTAGE OF LOCO PILOTS

**1016. DR. PON GAUTHAM SIGAMANI:
SHRI RAJMOHAN UNNITHAN:
SHRI MOHAMMED FAIZAL P.P.:
SHRI SAPTAGIRI SANKAR ULAKA:
SHRI KUMBAKUDI SUDHAKARAN:**

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

- (a) whether it is a fact that during the year 2022-23 the number of consequential train accidents outnumbered the previous year, similarly, non-consequential train accidents have also increased in the year 2022-23;**
- (b) whether it is a fact that prolonged working hours of loco pilots due to an acute shortage of manpower was suspected to be the main reason for the increasing number of accidents and if so, the details thereof;**
- (c) whether because of the increased train accidents, the Railways has decided to fill up vacancies and reduce the long working hours of locomotive pilots; and**
- (d) if so, the details thereof?**

ANSWER

**MINISTER OF RAILWAYS, COMMUNICATIONS AND
ELECTRONICS & INFORMATION TECHNOLOGY**

(SHRI ASHWINI VAISHNAW)

(a) to (d): A Statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) TO (d) OF UNSTARRED QUESTION NO 1016 BY DR. PON GAUTHAM SIGAMANI, SHRI RAJMOHAN UNNITHAN, SHRI MOHAMMED FAIZAL P.P., SHRI SAPTAGIRI SANKAR ULAKA AND SHRI KUMBAKUDI SUDHAKARAN TO BE ANSWERED IN LOK SABHA ON 26.07.2023 REGARDING SHORTAGE OF LOCO PILOTS

(a): During the year 2022-23, there were 48 consequential train accidents in comparison to 35 consequential train accidents in the previous year i.e. 2021-22 (Covid Year in which train services were curtailed). During the year 2022-23, there were 162 non-consequential train accidents in comparison to 208 non-consequential train accidents in the previous year i.e. 2021-22.

It may be noted that the average number of consequential train accidents during the period, 2004-14 was 171.1 per annum, while the average number of consequential train accidents during the period, 2014-23 has reduced to 70.9 per annum.

(b): Long working hours of crew is not the major cause for accidents.

(c) & (d): Occurrence and filling up of vacancies is a continuous process. The vacancies are filled by placement of indents by Railways with recruitment agencies as per operational requirements. During the process, vacancies may arise and these are filled subsequently.

During the period from 2018-19 to 2022-23, total 35,373 Assistant Loco Pilot (ALP) candidates have been empanelled by 21 RRBs, including provisional empanelment of 5,651 ALP candidates during the year 2022-23.

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.07.2023 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1016 का उत्तर

लोको पायलट की कमी

1016. डॉ. पोन गौतम सिगामणि:

श्री राजमोहन उन्नीथन:

श्री मोहम्मद फैजल पी.पी.:

श्री सप्तगिरी शंकर उलाका:

श्री के. सुधाकरन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या वर्ष 2022-23 के दौरान परिणामी ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या विगत वर्ष की तुलना में अधिक है और इसी तरह, वर्ष 2022-23 में गैर-परिणामी ट्रेन दुर्घटनाओं में भी वृद्धि हुई है;
- (ख) क्या श्रमशक्ति की भारी कमी के फलस्वरूप लोको पायलटों का कार्यसमय अपेक्षाकृत अधिक कार्य घंटे होना दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या का मुख्य कारण माना जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या बढ़ती रेल दुर्घटनाओं के कारण रेलवे ने रिक्त पदों को भरने और लोकोमोटिव पायलटों के समय अपेक्षाकृत अधिक कार्य समय को कम करने का निर्णय लिया है; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

लोको पायलट की कमी के संबंध में 26.07.2023 को लोक सभा में डॉ. पोन गौतम सिगामणि, श्री राजमोहन उन्नीथन, श्री मोहम्मद फैजल पी.पी., श्री सप्तगिरी शंकर उलाका और श्री के. सुधाकरन के अतारांकित प्रश्न सं. 1016 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): वर्ष 2022-23 के दौरान, पिछले वर्ष अर्थात् 2021-22 (कोविड वर्ष जिसमें गाड़ी सेवाओं में कमी की गई थी) में 35 परिणामी गाड़ी दुर्घटनाओं की तुलना में 48 परिणामी गाड़ी दुर्घटनाएं हुए हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान, पिछले वर्ष अर्थात् 2021-22 में 208 गैर-परिणामी गाड़ी दुर्घटनाओं की तुलना में 162 गैर-परिणामी ट्रेन दुर्घटनाएं हुई हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004-14 की अवधि के दौरान परिणामी रेल दुर्घटनाओं की औसत संख्या 171.1 प्रति वर्ष थी, जबकि वर्ष 2014-23 की अवधि के दौरान परिणामी रेल दुर्घटनाओं की औसत संख्या घटकर 70.9 प्रति वर्ष हो गई है।

(ख): चालक दल का लंबे समय तक काम करना दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण नहीं है।

(ग) और (घ): पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत प्रक्रिया है। इन रिक्तियों को परिचालनिक आवश्यकताओं के अनुसार रेलों द्वारा भर्ती एजेंसियों को मांग-पत्र भेज कर भरा जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान, पद रिक्त हो सकते हैं और इन्हें बाद में भरा जाता है।

2018-19 से 2022-23 की अवधि के दौरान, 21 रेल भर्ती बोर्डों (आरआरबी) द्वारा कुल 35,373 सहायक लोको पायलट (एएलपी) उम्मीदवारों को सूचीबद्ध किया गया है, जिसमें वर्ष 2022-23 के 5,651 सहायक लोको पायलट (एएलपी) उम्मीदवारों का प्रोविजनल पैनेल भी शामिल है।
